# अग्रवाल महाविद्यालय बल्लबगढ़

## वार्षिक पारितोषिक–वितरण समारोह – 11 मार्च, 2018
## वार्षिक विवरण (सत्र 2017–18)

**डॉ. कृष्णकान्त गुप्ता**
**प्राचार्य**

महाविद्यालय के वार्षिक पुरस्कार–वितरण समारोह के अवसर पर उपस्थित आज के मुख्य–अतिथि सम्माननीय श्री आनन्द मोहन शरण (आई.ए.एस., मुख्य आवासीय आयुक्त, हरियाणा शहरी निकाय विभाग), अग्रवाल विद्या प्रचारिणी सभा, बल्लबगढ़ की सलाहकार समिति के अध्यक्ष श्रद्धेय लाला रतन सिंह गुप्ता जी, कालेज प्रबन्ध समिति के प्रधान आदरणीय श्री देवेन्द्र गुप्ता जी, अग्रवाल महाविद्यालय प्रबन्ध समिति के अन्य माननीय पदाधिकारी, विद्या प्रचारिणी सभा, बल्लबगढ़ के आदरणीय सदस्य, महाविद्यालय में कार्यरत प्राध्यापक व गैर शिक्षक समुदाय, कर्मचारी वर्ग, पत्रकार बन्धु तथा पुरस्कार प्राप्त करने आए विद्यार्थियो ! आप सभी का हार्दिक स्वागत –

आज के समारोह के मुख्य अतिथि सम्माननीय श्री आनन्द मोहन शरण (आई.ए.एस., मुख्य आवासीय आयुक्त, हरियाणा शहरी निकाय विभाग) अत्यन्त प्रतिष्ठित एवं गरीमामयी व्यक्तित्व के स्वामी हैं । आप 1990 से हरियाणा में प्रशासनिक सेवाओं में अनेक महत्वपूर्ण पदों को सुशोभित कर चुके हैं । आपने फरीदाबाद में नगर निगम के आयुक्त और फरीदाबाद जिले के उपायुक्त पद पर रहते हुए इस क्षेत्र के लिए अनेक सराहनीय कार्य किए जिनके लिए आज भी आपको जाना जाता है । आपने महर्षि दयानन्द विश्व विद्यालय रोहतक में कुलपति के रूप में अपनी सेवाएं प्रदान करते हुए शिक्षण संस्थानों के सुधार में विशेष रूचि ली । आपने हरियाणा के ग्रामीण विकास विभाग, सामाजिक न्याय व सशक्तिकरण विभाग के निदेशक; हरियाणा के व्यापार मेले के प्रशासक और हरियाणा श्रम आयुक्त के रूप में कार्य करते हुए अपनी कर्मठता, योग्यता व

ईमानदारी से अपनी विशेष पहचान बनाते हुए इन सभी कार्यक्षेत्रों को अपने अनुभव से समृद्ध किया है। वार्षिक पारितोषिक वितरण समारोह के अवसर पर आप जैसे व्यक्तित्व को मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित पाकर हम गौरवान्वित अनुभव कर रहे हैं। आपके प्रभावशाली उद्‌गारों से निश्चित ही हमारे विद्यार्थी लाभान्वित होंगे।

मान्यवर ! अब मैं आपके समक्ष इस महाविद्यालय का संक्षिप्त–परिचय प्रस्तुत करता हूँ। सन् 1971 में बल्लबगढ़ व आस–पड़ोस के युवक युवतियों की उच्च शिक्षा की ज़रुरत को पूरा करने के लिए कुछ प्रबुद्ध–समाजसेवियों ने अग्रवाल महाविद्यालय की नींव रखी। अग्रवाल विद्या प्रचारिणी सभा (रजि.), बल्लबगढ़ की स्थापना सन् 1945 में हुई। वस्तुतः सन् 1919 में अनौपचारिक रुप से इसकी नींव रखी गई थी। जहाँ एक वृक्ष के नीचे मुंडी भाषा सिखलाई जाती थी। सन् 1919 से 1945 तह आते आते इस सभा ने एक विशाल वट वृक्ष का रुप धारण कर लिया। इस सभा द्वारा संचालित इस महाविद्यालय के अतिरिक्त एक अग्रवाल शिक्षण महाविद्यालय तथा छः अन्य स्कूल भी हैं जिनमें लगभग 13000 विद्यार्थी शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। अग्रवाल विद्या प्रचारिणी सभा के उदारमना सदस्यों ने गरीब विद्यार्थियों, जोकि फीस देने में असमर्थ हैं, की सहायतार्थ सत्र 2015–16 में 77 लाख 33 हज़ार, सत्र 2016–17 में 1 करोड़ 26 लाख 89 हज़ार रुपये एवं सत्र 2017–18 में 1 करोड 37 लाख 50 हज़ार रूपये की धनराशि का योगदान किया है जो कि अपने आप में एक श्रेष्ठ मिसाल है। विगत वर्ष से प्रबन्ध समिति ने दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए "समर्थ योजना" की शुरुआत की है, जिसमें उनके लिए फीस माफी, छात्रवृति एवं पुस्तकों की व्यवस्था की जाती है।

महाविद्यालय में कुल 29 कोर्स चलाए जा रहे हैं जिनमें 08 स्नातकोत्तर व 08 व्यवसायपरक (06 Add-on Course व 02 Vocational Course) हैं। महाविद्यालय के पास अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त तीन पुस्तकालय हैं, जिनमें 113410 पुस्तकें, 105 जर्नल तथा 35 दैनिक समाचार पत्र उपलब्ध हैं। इसके अतिरिक्त महाविद्यालय E-books of Pearson Publication, E-Journals तथा N-List

(INFLIBNET) का भी सदस्य है । 698 कम्प्यूटरों से युक्त 12 कम्प्यूटर लैब, रिटेल लैब, लैंगवेज लैब, रसायन व भौतिक शास्त्र की प्रयोगशालाएँ तथा इसके अतिरिक्त महाविद्यालय में Audio-Visual Rooms, अधुनिक उपकरणों से सुसज्जित दो सभागार भी उपलब्ध हैं । जिनके द्वारा विद्यार्थियों को व्यावहारिक ज्ञान प्रदान कर उन्हें सक्षम बनाया जाता है । महाविद्यालय के तीनों संभाग वाई–फाई तथा इन्टरनेट से युक्त हैं ।

महाविद्यालय के परीक्षा परिणाम विश्वविद्यालय की तुलना में सदैव धनात्मक रहते हैं । वर्ष 2016–17 की वार्षिक परीक्षा में 148 विद्यार्थियों ने महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय, रोहतक की मैरिट लिस्ट में स्थान बनाया जिनमें से 11 विद्यार्थी प्रथम स्थान पर, 8 विद्यार्थी द्वितीय स्थान पर एवं 11 विद्यार्थी तृतीय स्थान पर रहे ।

महाविद्यालय में विद्यार्थियों के सार्वांगीण व्यक्तित्व के लिए अनेक फोरम, क्लब व विभिन्न समितियों का गठन किया गया है जिनमें एन.सी.सी., एन.एस.एस., महिला प्रकोष्ठ, कानूनी साक्षरता प्रकोष्ठ, सामाजिक विज्ञान मंच, युवा रैड़ क्रॉस, स्वच्छता सेनानी, रैड रिबन क्लब, हिन्दी साहित्य परिषद, अंग्रेजी, संगीत,विज्ञान, गणित, खेल, कम्प्यूटर, अर्थशास्त्र वाणिज्य व प्रबन्ध आदि विषयों से सम्बन्धित फोरम/क्लब विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखते हुए समय–समय पर अपने–अपने क्षेत्र के विशिष्ट–विद्वानों की वार्ताएँ, भाषण व ज्ञानोपयोगी कार्यक्रम करवाते रहते हैं । महाविद्यालय में वन–महोत्सव, स्वतन्त्रता दिवस, गणतन्त्र दिवस, हिन्दी–दिवस तथा स्वामी विवेकानन्द व महाराजा अग्रसेन आदि अनेक महापुरुषों की जयन्तियाँ मनाई जाती हैं ताकि विद्यार्थी अपनी श्रेष्ठ प्राचीन सभ्यता एवं संस्कृति तथा राष्ट्रीय–गौरव के महत्व को समझते हुए उस पर गौरवान्वित हो सकें । इसके अतिरिक्त विद्यार्थियों द्वारा रैली आदि के माध्यम से पर्यावरण स्वच्छता, नारी सशक्तिकरण, साक्षरता, जल–संरक्षण, नशा–मुक्ति, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, दहेज प्रथा आदि ज्वलन्त सामाजिक विषयों पर सकारात्मक कार्य किया जा रहा है ताकि समाज को कुरीति मुक्त तथा समरसता

युक्त बनाया जा सके। यूनिवर्सिटी आऊट रीच कार्यक्रम के अंतर्गत महाविद्यालय ने चंदावली गाँव को गोद लेकर उसमें स्वच्छता, साक्षरता, चिकित्सा, पर्यावरण, ऊर्जा व जल – संरक्षण के प्रति जागरूकता के साथ–साथ रक्त दान शिविर और स्वास्थ्य जाँच शिविर भी आयोजित किए हैं।

प्रत्येक वर्ष महाविद्यालय में दो दिवसीय एथलेटिक मीट का आयोजन किया जाता है। जिसमें विभिन्न दौड़, लम्बी व ऊँची कूद तथा थ्रो की अनेक प्रतियोगिताएं रखी जाती हैं। इस सत्र में 6–7 मार्च, 2018 को आयोजित एथलेटिक मीट में हरजीत कौर और गौरव चौधरी सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी घोषित किए गए। हमारे महाविद्यालय का छात्र अनमोल जैन राष्ट्रीय स्तर की शूटिंग प्रतियोगिताओं में अनेक स्वर्ण पदक जीत कर अंतर्राष्ट्रीय स्तर का खिलाड़ी बन चुका है। जापान और जर्मनी में आयोजित प्रतियोगिताओं में अनमोल ने व्यक्तिगत स्तर पर रजत और स्वर्ण पदक प्राप्त कर बल्लबगढ़ का ही नहीं देश का भी नाम रोशन किया है। शूटिंग के अतिरिक्त भारोत्तोलन, बेस बॉल, सॉफ्ट बॉल, ताय–क्वान्डो, बॉक्सिंग, जूडो और तीरंदाजी में भी हमारे महाविद्यालय के खिलाड़ियों ने अन्तर विश्वविद्यालय, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर विशेष स्थान प्राप्त किए हैं। राष्ट्रीय सेवा योजना का स्वयंसेवक हेमन्त महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय रोहतक में विश्वविद्यालय स्तर का सर्वश्रेष्ठ स्वयंसेवक चुना गया। इकाई तीन की 'बाती' टीम ने अन्तर्राष्ट्रीय सूरजकुण्ड हस्त शिल्प मेले में अपने नुक्कड़ नाटक की प्रस्तुति से प्रशंसकों का मन मोह लिया।

एन.सी.सी. के कैडेट्स 15 अगस्त की परेड़ में इस वर्ष द्वितीय स्थान पर पुरस्कृत किए गए तथा कैडेट कपिल, अमित, सुराज और लव मान का भारतीय रक्षा सेवाओं में चयन हुआ।

इस सत्र में महाविद्यालय में युवा रैड़ क्रॉस की ओर से दो जिला स्तरीय प्रशिक्षण शिविर आयोजित किए गए। इसके अंतर्गत किए जाने वाले श्रेष्ठ सराहनीय कार्यों केलिए महाविद्यालय के यूथ रैड़ क्रॉस संयोजक डॉ. जयपाल सिंह को माननीय राज्यपाल की ओर से सम्मानित किया गया और उन्हें जिला स्तर पर भी सर्वश्रेष्ठ

यूथ रैड़ क्रॉस संयोजक घोषित किया गया । महाविद्यालय में यूवा रैड़ क्रॉस, एन.एस.एस. और रैड़ रिबन क्लब के सहयोग से दो रक्त दान शिविर इस सत्र में लगाए गए जिसमें छात्र–छात्राओं ने उत्साह पूर्वक रक्त दान किया । 4 अक्तूबर, 2017 को लगाए गए रक्तदान शिविर में 360 इकाई और 26 फरवरी, 2018 को लगाए गए शिविर में 180 इकाई रक्त एकत्र हुआ । महाविद्यालय में यूथ रैड. क्रॉस के अंतर्गत ही छात्राओं के लिए 'एनामिया भगाओ' अभियान चलाया गया जिसमें छात्राओं के रक्त की जाँच कर एनिमिक लड़कियों को Iron Supplements दिए गए जिसका परिणाम यह हुआ कि इन लड़कियों में से 36 ने रक्त दान किया । महिला प्रकोष्ठ के अंतर्गत छात्राओं के सशक्तिकरण के लिए आत्मरक्षा (Self Defence) की नियमित कक्षाएं भी इस महीने से शुरू की जा रही हैं ।

इस सत्र से महाविद्यालय में महाराजा अग्रसेन जयन्ती को 'नवरंग' सांस्कृतिक उत्सव के रूप मनाया जाना आरंभ किया गया । 5–6 अक्तूबर, 2017 को यह अन्तर विश्व विद्यालय स्तर का उत्सव मनाया गया जिसमें इस वर्ष 5 विश्व विद्यालयों, 18 महाविद्यालयों के 116 प्रतिभागियों ने संभाषण, काव्य–पाठ, तबला–वादन, भजन/गीत गायन, एकल व समूह नृत्य के साथ–साथ रंगोली, पोस्टर मेकिंग, स्लोगन लेखन, प्रश्नोत्तरी की प्रतियोगिताओं में भाग लिया ।

इसके अतिरिक्त, स्नातक स्तर के तृतीय वर्ष व परास्नातक स्तर के विद्यार्थियों के भविष्य एवं रोजगार को लेकर महाविद्यालय काफी सचेत रहता है । इसलिए महाविद्यालय में समय–समय पर Placement Drive और Job Fair का आयोजन किया जाता है । हमारे महाविद्यालय में सभी विद्यार्थियों का 2–2 लाख का सामूहिक बीमा (Group Insurance) भी किया जाता है, जिसके Premium का भुगतान महाविद्यालय प्रशासन की ओर से दिया जाता है । इस सत्र में Placement Cell द्वारा Job Fair किया गया जिसमेम 440 विद्यार्थियों ने भाग लिया, जिनमें से 197 का नाम संक्षिप्त सूची (short list) में रखा गया । इस मेले

में 18 कंपनियाँ मौजूद थीं ।

युवा विद्यार्थियों की भावनाओं और विचारों को अभिव्यक्ति प्रदान करने के लिए वार्षिक–पत्रिका "स्रोत" का प्रकाशन किया जाता है तथा महाविद्यालय की सम्पूर्ण गतिविधियों को प्रदर्शित करने के लिए "त्रैमासिक समाचार पत्रिका"– (News Letter) भी प्रकाशित की जाती है ।

प्रत्येक सत्र में महाविद्यालय में विद्यार्थियों और प्राध्यापकों के ज्ञान को गति देने के लिए संगोष्ठियों, कार्यशालाओं और अतिथि व्याख्यानों का आयोजन किया जाता है । इसी क्रम में 21 अगस्त से 25 अगस्त 2017 तक अर्थशास्त्र विभाग द्वारा वैश्विक अर्थशास्त्र जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें अमरीका के 11 सदस्यीय मंडल ने भाग लिया ।

7 दिसम्बर, 2017 से 12 दिसम्बर, 2017 तक 'GST और इसकी उलझनें' विषय पर 10 दिवसीय कार्यशाला वाणिज्य विभाग द्वारा आयोजित की गई । 11 दिसम्बर से 17 दिसम्बर, 2017 तक महानिदेशक उच्चतर शिक्षा हरियाणा के सहयोग से महाविद्यालय के वाणिज्य और अर्थशास्त्र विभाग द्वारा 'शोध के लिए विश्लेषी तकनीक' विषय पर राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया ।
इसी शैक्षणिक सत्र में महाविद्यालय में विज्ञान (10–11 जुलाई, 2017), पुस्तकालय विभाग (24–25 फरवरी, 2018) और गणित विभाग (17–18 फरवरी, 2018) द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के तथा अर्थशास्त्र विभाग (9–10 मार्च, 2018) द्वारा राष्ट्रीय स्तर के सम्मेलन आयोजित किए गए ।

Facluty Development Programme के अंतर्गत प्राध्यापकों के लिए 'अध्यापन में ICT प्रयोग' विषय पर 5 दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई और शिक्षणेतर वर्ग के लिए तीन दिन की कार्यशाला का आयोजन किया गया ।

महोदय! हमारे महाविद्यालय की इन सभी उपलब्धियों का श्रेय विद्यार्थियों, प्राध्यापकों, कर्मचारी वर्ग और कॉलेज प्रबन्ध समिति के सामूहिक प्रयास को जाता

है। इन श्रेष्ठ प्रयासों का अच्छा परिणाम यह हुआ कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली की स्वायत्त संस्था राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (NAAC) ने महाविद्यालय की विभिन्न क्षेत्रों में प्राप्त श्रेष्ठ उपलब्धियों को देखते हुऐ 3.40 CGPA प्रदान करते हुए 'A' ग्रेड़ प्रदान किया। इसके अतिरिक्त विगत वर्षों में महाविद्यालय की विभिन्न क्षेत्रों में प्राप्त विशिष्ट उपलब्धियों को देखते हुए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली ने "कॉलेज विद पोटेंशियल फॉर एक्सिलेंस (सी.पी.ई.)" का दर्जा प्रदान किया।

कॉलेज के इस विकास एवं प्रगति में अग्रवाल विद्या प्रचारिणी सभा कॉलेज प्रबन्ध समिति तथा इसके पदाधिकारियों विशेषतः पूर्व प्रधान लाला रतन सिंह गुप्ता जी, वर्तमान प्रधान श्री देवेन्द्र गुप्ता जी, उपप्रधान श्री वासुदेव गुप्ता जी, महासचिव श्री विजय कुमार गुप्ता जी व कोषाध्यक्ष श्री मेहर चन्द मित्तल जी का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। परम श्रद्धेय लाला रतन सिंह गुप्ता जी ने लगातार 36 वर्ष तक विद्या प्रचारिणी सभा, बल्लबगढ़ के अध्यक्ष पद को सुशोभित करते हुए शिक्षा–क्षेत्र में समाज–सेवा का जो अनुपम सराहनीय कार्य किया है उसके लिए बल्लबगढ़ समाज हमेशा उनका ऋणी रहेगा। मैं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली तथा महानिदेशक, उच्चतर शिक्षा विभाग, हरियाणा सरकार का आर्थिक सहयोग प्रदान करने के लिए विशेष रूप से आभार व्यक्त करता हूँ। इस अवसर पर पुरस्कार विजेताओं को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूँ।

अन्त में मैं सभी माननी अतिथियो में विशेषतः मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथि के प्रति अपना आभार व्यक्त करता हूँ जिन्होंने हमारे अनुरोध को स्वीकार कर महाविद्यालय के इस समारोह की शोभा बढ़ाई।

धन्यवाद!